तारीख नामा

जिनको कयामत की है सक, क्यों कर उठसी एह खलक।
बात नहीं ए बरकरार, काफर न देखें ए विस्तार।। १ ।।

कई लोगों को कयामत होने में संशय है। यह झूठा संसार अखण्ड कैसे होगा? यह बात सत्य नहीं है। ऐसे काफिर लोगों को खुदा की शक्ति का पता नहीं है।

न देखें अपना हवाल, कई पैदा किए आदमी डाल।
खुदा खाक पाक से पैदा किया, तिन बूंद का ए विस्तार कर दिया।। २ ।।

वह अपनी असलियत को नहीं देखते कि उनके जैसे खुदा ने कितने आदमी पैदा कर दिए। खुदा ने मिट्टी पानी के सहयोग से वीर्य की एक बूंद से इतना बड़ा मनुष्य तन बना दिया।

एही तमाम जो पैदाइस कही, तिनका खुलासा कर देऊं सही।
जिन सेती होवे मकसूद, इन नाबूद सेती ल्याया बूद।। ३ ।।

यह सारी दुनियां जो पैदा है उसकी हकीकत बता देती हूं। जिससे सभी को पहचान हो जाए कि मिट जाने वाली दुनियां में एक मेहराज ठाकुर को खुदा ने माया से कैसे निकाला और इतना बड़ा काम कराया।

तिनमें बाजे कहे बेसुध, तिनको कबूं न आवे बुध।
इनमें खुदाए किए दोए, कयामत काम दूजे से होए।। ४ ।।

श्री देवचन्द्रजी महाराज के दो लड़के हैं। एक नसली, दूसरा नजरी। उनमें नसली पुत्र बिहारीजी को कभी भी बुद्धि नहीं आने वाली है और वह संसार में ही लिपटे रहेंगे। संसार को अखण्ड करने का काम नजरी पुत्र श्री मेहराज ठाकुर से ही होगा।

साहेब चाहे सो करे, निपट माहें नजर में धरे।
ए खुदाए पेहेले किया करार, जमाना होसी सिरदार।। ५ ।।

यह उस पारब्रह्म धाम के धनी श्री राजजी महाराज की इच्छा है, चाहे जिसको अपनी मेहेर की नजर में ले लें, चाहे जिसको दूर कर दें। श्री राजजी महाराज ने रसूल साहब से पहले ही वायदा कर लिया था कि आखिर के जमाने में मोमिनों की सिरदारी होगी जिसमें श्री प्राणनाथजी मोमिनों के सिरदार होंगे।

खावंद होए के करसी काम, तिनका अव्वल से धरिया नाम।
बाहेर ल्याया तुमारे तांई, छिपा लड़का था पेट माहीं।। ६ ।।

यह सारी दुनियां के खुदा बनकर कयामत का काम करेंगे, इसीलिए इनका पहले से ही श्री प्राणनाथजी नाम रखा है। जैसे मां के पेट में बच्चा छिपा रहता है, इसी तरह से यह केशव ठाकुरजी के घर में छिपे पड़े थे, जिन्हें खुदा ने तुम्हारे वास्ते झूठे कुटुम्ब से निकाला।

निहायत था नातवान, ना वर पाएगी ना काम पेहेचान।
सब तरबियत तुमको किया, पोहोंचे कुदरत तमाम हाथ दिया।। ७ ।।

यह जब बिल्कुल बच्चे थे, नादान थे, इनको यह जानकारी भी न थी कि इनसे कौन-सा काम लिया जाएगा और उस समय किसी की भी कृपा प्राप्त नहीं थी। इस तरह के एक बालक को खुदा ने सब तरह से संभाल कर तुम सबके वास्ते उनको दिया है और सारी शक्ति इनके हाथ दे दी थी।

Nijanand App

तूं था बीच कौम जाहिल, तित खुदाए ने दई अकल।
बरस बारहीं के लिए तीस, दस लिए अग्यारहीं के किए चालीस।। ८ ।।

आप क्षत्रिय घराने में थे। वहां से निकालकर अपने चरणों में लेकर खुदा ने जागृत बुद्धि का तारतम ज्ञान दिया। कुरान में बताए अनुसार रूह अल्लाह की चालीस वर्ष की बादशाही उनके ही अंग मोमिनों के द्वारा होनी है। श्री श्यामाजी महारानी के दूसरे तन श्री प्राणनाथजी से बादशाही हुई जो ग्यारहवीं सदी के अंतिम दस वर्ष (सम्वत् १७३५ से १७४५ तक) से बारहवीं सदी के तीस वर्ष (१७७५) तक हुई।

तुममें से कोई होएगा ऐसा, जो पोहोंच के करेगा वफा।
बीच ज्वानियां आगूं ज्वान, बाहेर फेर हुए निदान।। ९ ।।

कुरान में पहले से ही लिखा है कि मोमिनों में से कोई ऐसा सिरदार होगा जो खुदा की आज्ञा का पालन करेगा और उसी अनुसार मोमिनों में से श्री प्राणनाथजी ने सिरदारी की।

॥ प्रकरण ॥ २० ॥ चौपाई ॥ ४६२ ॥

लिख्या आम सिपारे सूरत, आठईं माहें मजकूर कयामत।
सौंह करी साहेब आसमान, ए इसारत बारहीं सदी में निदान।। १ ।।

कुरान के तीसवें सिपारे (आम सिपारे) की आठवीं सूरत में कयामत का बयान लिखा है। जिसको रसूल साहब ने कसम खाकर कहा कि खुदा आएंगे और बारहवीं सदी में कयामत होगी।

दो हादी दसमी सदी से आए, उमत तिनमें लई मिलाए।
दस ऊपर दोए बुरज जो कही, इनमें हादी उमत मजकूर भई।। २ ।।

दसवीं सदी से रूह अल्लाह श्री श्यामाजी महारानी श्री देवचन्द्रजी के तन में प्रगट हुए और ग्यारहवीं सदी में श्री प्राणनाथजी आए। इन दोनों स्वरूपों ने मोमिनों की जमात को इकट्ठा किया। कुरान में जो दस और दो बुर्ज कहे हैं, वह बारहवीं शताब्दी का वर्णन है। दसवीं सदी के ऊपर दो बुर्ज ही दो स्वरूप हैं। इन स्वरूपों की मोमिनों को पहचान हुई।

दस और दोए जुदे कहे, ए इसारत जिनकी सोई लहे।
ए बुरज कहे दस और दोए, ए गिनती मजल चांदकी सोए।। ३ ।।

कुरान में सीधे बारह न लिखकर दस और दो लिखे हैं। यह इशारतें जिनके वास्ते लिखी हैं, वह मोमिन ही समझेंगे। यह दस और दो बुर्ज जो कहे हैं, इनका अर्थ है कि मुहम्मद साहब जिनको दूज का चांद कहा है। उनके जाने के बाद दसवीं सदी के बाद दो स्वरूप आएंगे और बारहवीं सदी में कयामत होगी।

या दरिया या आसमान सब, ए कौल साहेब का न भूलें कब।
ए सौगंद खाए के करी सरत, एही रोज जो कही कयामत।। ४ ।।

यहां समुद्र और आसमान सभी खुदा के हुकम से बने हैं। यह उनके हुकम के अनुसार ही चलते हैं। मुहम्मद साहब ने सौगन्ध खाकर कहा कि बारहवीं सदी में कयामत होगी।

फेर फेर कह्या सौं खाई, अल्ला की साहेदी देवाई।
खुदाए देखता है सबन, और जानता है सबन के मन।। ५ ।।

उन्होंने बार-बार खुदा की सौगन्ध खाकर कयामत होने को कहा है और कुरान की गवाही भी दी है। रसूल साहब ने कहा कि खुदा सबको देखता है और सबके दिलों को जानता है।

Nijanand App